आर्टिस्ट देगास और छोटी नृतकी

लॉरेंस एनहोल्ट

परिचय

यदि आप एक प्रसिद्ध कला संग्रहालय के एक कमरे में जाते हैं, तो आपको एक छोटी नर्तकी की एक सुंदर कांस्य मूर्ति दिखाई देगी. वो एक पैर पर खड़ी होगी, उसके हाथ पीठ के पीछे होंगे - और उसके चेहरे का भाव कुछ थका हुआ और थोड़ा उदास होगा.

यदि आप रुकते हैं और संग्रहालय में कमरे के गार्ड से बात करते हैं तो वो आपको नन्ही बैलेरीना के बारे में एक कहानी सुनाएगा.

"उसका नाम मैरी है," गार्ड कहेगा. "मैं उसे हर दिन वहाँ खड़ा देखता हूँ, और मुझे लगता है कि मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ." जैसे ही आप नन्ही बैलेरीना की मूर्ति को देखते हैं, गार्ड आगे बढ़ता है: "छोटी मैरी को ज़रा देखो. मैं आपको कुछ बताता हूँ. यदि आप उसे काफी देर तक देखते रहेंगे तो वो आपको लगभग हिलती-डुलती लगेगी!"

इस पुस्तक में आप उस बैलेरीना की कहानी पढ़ सकते हैं, इसकी सेटिंग कई साल पहले पेरिस की है. कहानी मैरी की है, लेकिन यह एक बहुत प्रसिद्ध कलाकार की भी कहानी है - एडगर डेगास नाम के एक व्यक्ति की.

आर्टिस्ट देगास और छोटी नृतकी

एक बड़े कमरे के बीच में, एक प्रसिद्ध कला संग्रहालय में, एक नन्ही नर्तकी की सुंदर मूर्ति है. वो एक पैर पर खड़ी है, उसके हाथ उसकी पीठ के पीछे की ओर हैं, वो थकी हुई और कुछ उदास दिखती है,

उस मूर्ति को सौ साल से भी पहले एडगर डेगास नामक एक कलाकार ने बनाया था.

संग्रहालय में कमरे की देखभाल करने वाले गार्ड के पास नन्ही बैलेरीना के बारे में बताने के लिए एक कहानी है. जब बाहर बारिश हो रही हो और लोगों के पास जाने के लिए कोई जगह न हो, तो कोई-न-कोई उससे यह जरूर पूछता है कि, वो कौन थी.

"उसका नाम मैरी है," गार्ड कहेगा. "मैं उसे हर दिन वहां खड़ा देखता हूं, और मुझे लगता है कि मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूं ..."

...मैरी और उसके माता-पिता बहुत गरीब थे, लेकिन मैरी का केवल एक ही सपना था - वो एक नर्तकी बनना चाहती थी. कोई साधारण डांसर नहीं: वो पेरिस ओपेरा हाउस में डांस करना चाहती थी. वह दुनिया की सबसे प्रसिद्ध बैलेरीना बनना चाहती थी.

मैरी के पिता एक दर्जी थे और उसकी माँ कपड़े धोने का काम करती थीं. उन्होंने कड़ी मेहनत की और पैसे बचाए. फिर मैरी बड़े बैले स्कूल के लिए प्रवेश परीक्षा देने के लिए तैयार हुई.

उसके पिता ने उसके एक विशेष "सूट" बनाया, और उसकी माँ ने उसके भाग्य की कामना की, और उसके बालों में पीले रंग का एक लंबा रिबन बांधा.

परीक्षा में, मैरी ने बेहद सुन्दर नृत्य किया. उसने पहले कभी वैसा नृत्य नहीं किया था, और बूढ़े बैले शिक्षक को वो पसंद आया.

"अगर हम तुम्हें दाखिला देते हैं," उन्होंने कहा, "तो तुम्हें बहुत कठिन अभ्यास करना होगा."

"मुझे पता है," मैरी ने कहा, "मैं दुनिया की सबसे प्रसिद्ध नर्तकी बनना चाहती हूं"

सब हँसे, "वो उसे बाद में में देखेंगे!" बूढ़े शिक्षक ने कहा.

वो मैरी के जीवन का सबसे रोमांचक दिन था. वो अपने परिवार को यह सब बताने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती थी; लेकिन जैसे ही वह घर जाने वाली थी, कुछ ऐसा हुआ कि उसकी खुशी खटाई में पड़ गई.

बड़े कमरे के पीछे कोई चिल्लाने लगा. एक लड़की आँसुओं में मैरी के पीछे भागी. उसके पीछे एक भयंकर, सफ़ेद दाढ़ी वाला आदमी था, जो महंगे कपड़े पहने हुए था.

"तुम स्थिर क्यों नहीं रह सकतीं?" वो आदमी चिल्लाया. "जब तुम इतना हिलती-डुलती हो तो फिर मैं तुम्हारा चित्र कैसे बना सकता हूं?"

मैरी डर गई.

"कौन है वो बदतमीज़ आदमी?" उसने बगल वाली लड़की के कान में फुसफुसाया.

"अगर तुम यहाँ पर छात्र हो तो तुम्हें यह जल्द ही पता चल जाएगा. वह देगास है, वो घोड़ों और नर्तकियों का चित्रकार है,
और वो उन सभी के साथ एक जैसा ही
व्यवहार करता है."

संग्रहालय में, नन्ही बैलेरीना की मूर्ती के चारों ओर भारी भीड़ जमा हो गई थी.

"उसे देखो, " गार्ड ने कहा. "छोटी मैरी को देखो. मैं आपको कुछ बताता हूँ - यदि आप उसे काफी देर तक घूरते रहेंगे, तो वो लगभग हिलने-डुलने लगेगी!"

"तो, क्या उसे बैले स्कूल में दाखिला मिला?" किसी ने पूछा.

"अरे हाँ," गार्ड ने कहा है, "उसे वहां दाखिला मिला. उसने कड़ी मेहनत की, बहुत अभ्यास किया. वास्तव में, वो इतनी अच्छी हो गई कि बूढ़े शिक्षक ने उसे क्रिसमस में ओपेरा हाउस के बैले में एक मुख्य रोल देने की बात सोची. ... "

... मैरी का सपना सच हो रहा था.

और पुराना देगास भी इतना डरावना नहीं लग रहा था. हर दिन वो अपनी ऊंची टोपी और अपनी स्केच बुक के साथ सभी पर बड़बड़ाता और लोगों को कोसता था. वो रंगीन चाक के तेज़ी और बड़े उग्र रूप से काम काम करता था और, लड़कियों, शिक्षकों और संगीतकारों के चित्र बनाता था.

"स्थिर रहो!" वो चिल्लाता था. "ऐसे नहीं...!" फिर वो किसी गरीब नर्तकी को सही मुद्रा धारण करने की तकनीक दिखाता था.

सुन्दर कपड़े पहने हुए चित्रकार को एक पैर पर संतुलित होते हुए देखकर मैरी अपनी हंसी रोक नहीं पाती थी.
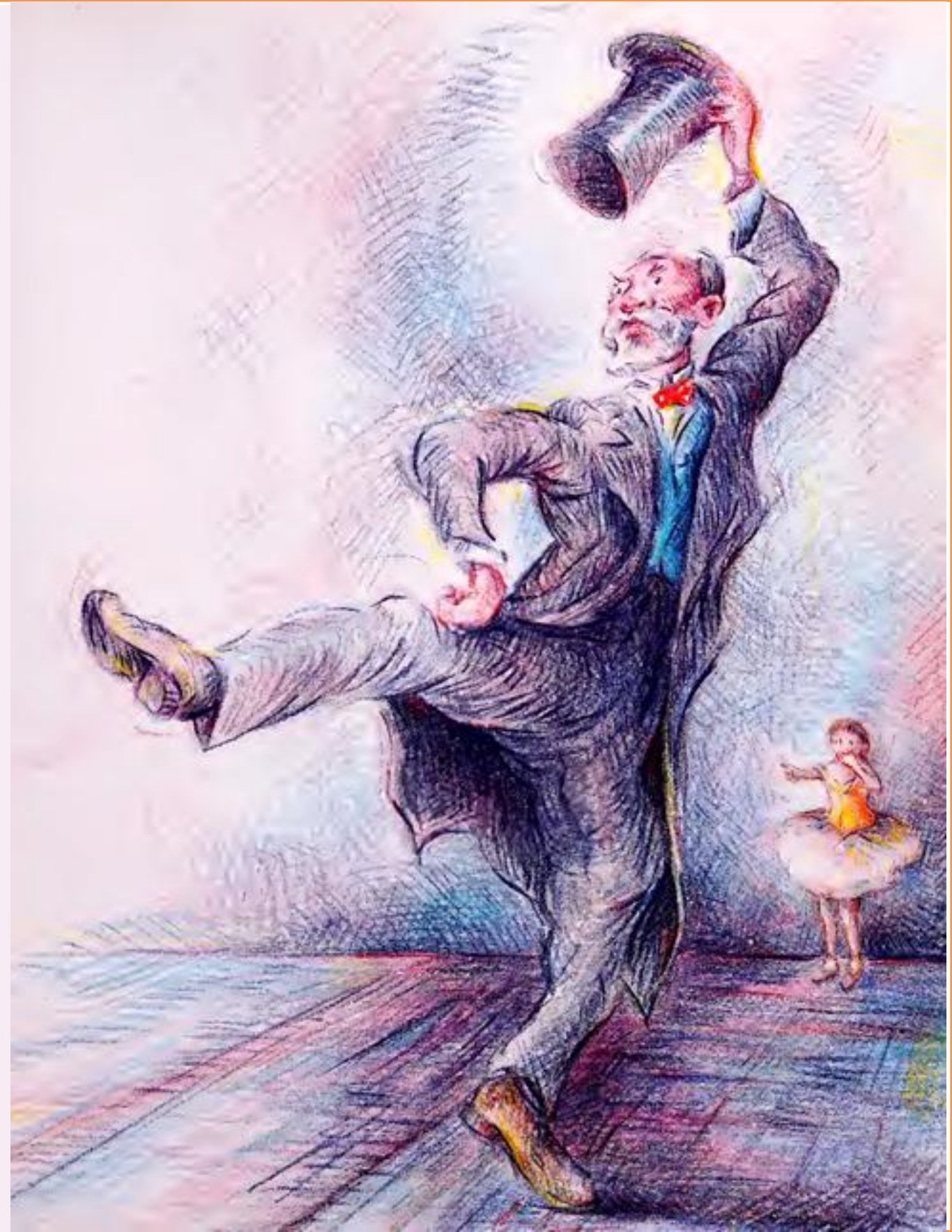
कभी-कभी, मैरी ने अपने स्केचेस की एक झलक भी देखी, और उसने जो भी देखा वो चकित रह गई - वो चित्र रंगों से चमक रहे थे. सभी लड़कियों के चित्र बने थे लेकिन वे बैले स्टार्स की तरह नहीं दिख रही थीं. देगास ने उन्हें बनाया था....

बकबक करते हुए

खुद को खींचते हुए

फीते बांधते हुए

अखबार तक पढ़ते हुए

पट्टियों को ठीक करते हुए

मैरी को नृत्य बेहद पसंद था. वो स्कूल सुबह को सबसे पहले आती थी और रात को सबसे आखिर में घर जाती थी.

फिर, एक दिन, सब कुछ उल्टा होने लगा.

मैरी के पिता बीमार पड़ गए, और वो काम नहीं कर सके. उसकी माँ ने और धुलाई का काम लिया, लेकिन उनके पास फिर भी मैरी की फीस देने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे.

मैरी का एक मशहूर डांसर बनने का सपना फीका पड़ने लगा.

"मुझे तुम्हारी मदद करना अच्छा लगेगा, मैरी," दयालु बूढ़े शिक्षक ने कहा, "लेकिन अगर तुम हर दिन सीखने के लिए नहीं आओगी तो मुझे मुख्य पात्र का रोल किसी और को देना होगा. शायद तुम्हें फिर को छोटा सा रोल मिल जाए, थिएटर के फर्श पर झाड़ू लगाने का या,... ..”

एक कर्कश आवाज ने उन्हें रोका.

"यदि तुम मेरे लिए पोज़ करोगी तो मैं तुम्हें कुछ पैसे दूंगा, लेकिन तुम्हें बहुत मेहनत करनी होगी और बकवास नहीं करनी होगी. क्या तुम समझीं?"

फिर डेगास हर दोपहर मैरी के चित्र बनाने लगा. उसने मैरी को इतनी देर तक बिल्कुल स्थिर रखा कि मैरी लगभग रो पड़ी, लेकिन उसकी शिकायत करने की हिम्मत नहीं हुई.

पैसा पर्याप्त नहीं था. मैरी अपने पिता के डॉक्टर की फीस दे पाई, लेकिन मैरी खुद अपनी पढ़ाई की फीस नहीं दे पाई. जैसे-जैसे क्रिसमस बैले नजदीक आ रहा था, उसे पता था कि उसे कभी भी प्रसिद्ध होने का मौका नहीं मिलेगा.

जब बड़ी रात आई, तो गरीब मैरी को शो देखने की भी अनुमति नहीं मिली, क्योंकि डेगास देर से काम करना चाहता था.

जब अन्य लड़कियां हँस रही थीं, बातें कर रहीं थीं और खुद को तैयार कर रही थीं, मैरी कलाकार के साथ अकेली रह गई थी. उस चिड़चिड़े, कलाकार ने उसे खड़ा किया, पीठ के पीछे उसके हाथ करवाए और उससे छत की ओर देखने को कहा. सभी नर्तक इस मुद्रा के अभ्यस्त थे, लेकिन जैसे-जैसे डेगास ने और आगे काम किया, मैरी की गर्दन में दर्द होने लगा.
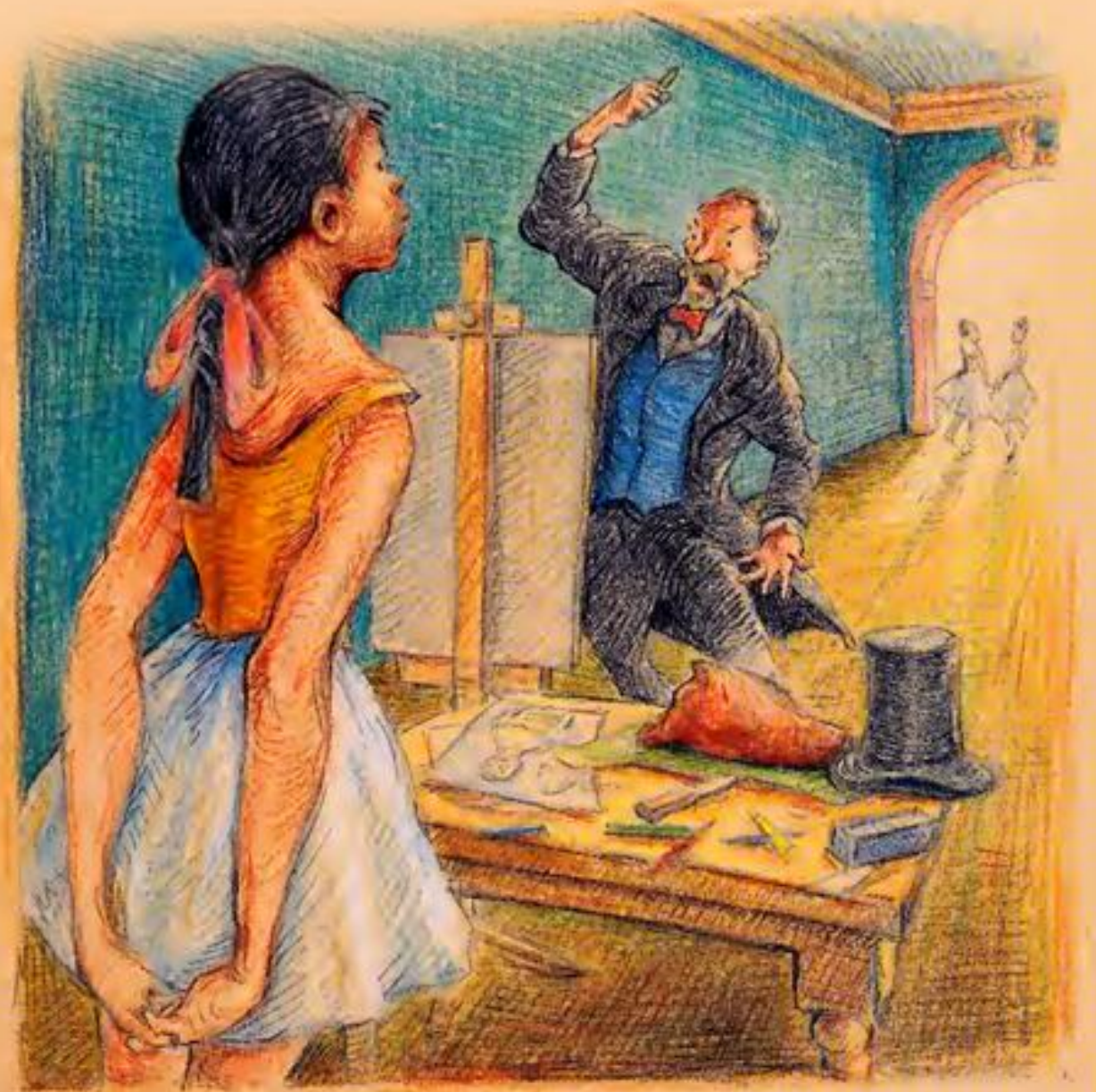
काफी देर हो रही थी,

"क्षमा करें, महाशय डेगास," मैरी फुसफुसाई. "मुझे जल्द ही घर जाना होगा. मेरे पिता बीमार हैं और मेरे परिवार को चिंता होगी."

"परिवार!" देगास चिल्लाया, "तुम्हारा परिवार चिंतित होगा? क्या तुम नहीं जानती हो कि मेरी चिंता कौन करेगा? कोई नहीं? मेरे पास कंपनी के लिए केवल मेरा काम है और अब मेरी आँखों की रोशनी भी जा रही है."

"क्षमा करें, महाशय, मुझे कुछ समझ में नहीं आया."

देगास ने कुछ देर तक चुपचाप काम किया. उसने कुछ मिट्टी निकाली और अपनी लंबी उँगलियों से उग्र रूप से काम करने लगा. तब मैरी ने कलाकार की आँखों में एक आंसू देखा.

"नहीं," देगास ने और धीरे से कहा, "तुम कैसे समझोगी? मुझे बताओ, मैरी, एक चित्रकार के लिए सबसे कीमती चीज क्या है?"

"आपकी आँखें, महाशय?“

"बिल्कुल. मेरी आँखें! एक नर्तकी के पैरों की ही तरह, तुमने ठीक समझा? और मेरी गरीब आँखें बीमार हैं, मैरी. इसलिए मैं मिट्टी के साथ काम कर रहा हूँ, क्योंकि मैं अब क्या कर रहा हूँ वो शायद मुझे दिखाई नहीं दे रहा है."

अचानक मैरी को बुरे स्वभाव वाले कलाकार के लिए बहुत दुख महसूस हुआ. क्या इसीलिए वो हमेशा गुस्से में रहता था?

"मुझे बहुत खेद है," मैरी ने कहा.

तब डेगास ने कुछ ऐसा किया जो मैरी ने उसे पहले कभी करते नहीं देखा था. उसने मैरी की तरफ देखा और वो मुस्कुराया.

"मुझे भी खेद है. मैरी," उसने कहा. "लेकिन ज़रा इस मूर्तिकला को देखो. यह अब तक मेरी बनाई की सबसे शानदार चीज है. धन्यवाद मेरी छोटी नर्तकी. अब तुम्हें घर जाना चाहिए."

मैरी नीचे उतरी. उसके पैर कमजोर थे. उसने अपने बालों से पीले रंग का रिबन खोलकर बूढ़े कलाकार को दे दिया. फिर उसने अपने नाचने वाले कपड़े उतार दिए और अपने परिवार के पास घर चली गई.
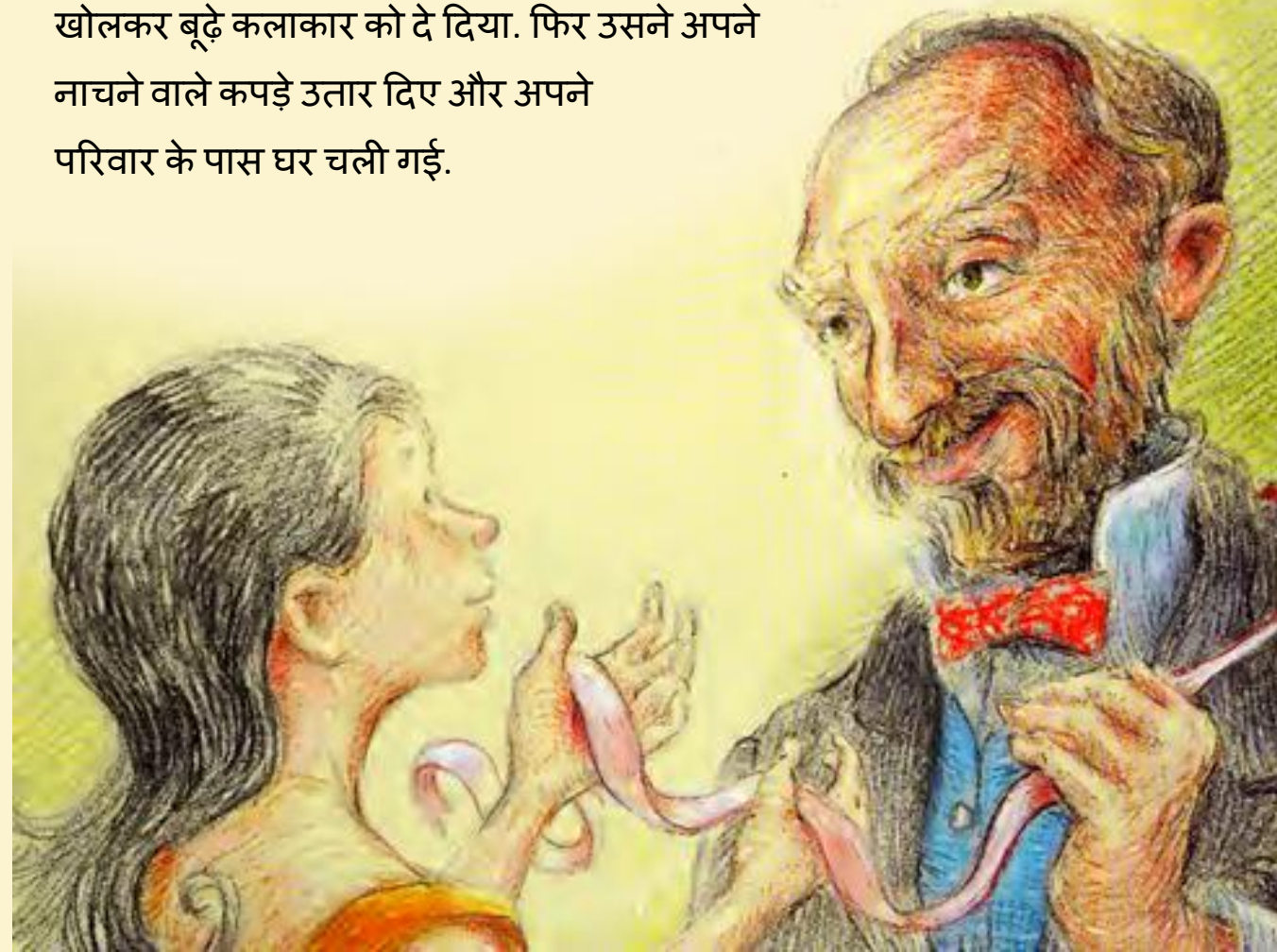
क्रिसमस बैले का पर्दा गिरते ही थिएटर में भीड़ ने ताली बजाकर जय-जयकार की. बाहर, एक पीली स्ट्रीट लाइट के नीचे, एक बूढ़ा, लगभग अंधा कलाकार अकेले घर जाने का संघर्ष कर रहा था.

अपने हाथ में उसने पीले रंग का रिबन पकड़ा था.

"और इसलिए उसका अपना सपना कभी पूरा नहीं हुआ?" किसी ने पूछा.

"रुको," गार्ड ने कहा. "कहानी अभी खत्म नहीं हुई है..."

दो साल बाद, मैरी अपनी माँ की कपड़े धोने में मदद कर रही थी, जब 36, रुए डी डौई में एक पत्र आया.

"यह पत्र तुम्हारे लिए है, मैरी," उसकी माँ ने कहा.

मैरी ने लिफाफा फाड़ा. अंदर एक टिकट और एक बड़ी कला प्रदर्शनी का निमंत्रण था. निमंत्रण पर किसी ने लिखा था : "मैरी के लिए, छोटी नर्तकी."

मैरी और उनकी मां शो देखने गईं. इमारत में बहुत भीड़ थी. दीवारों पर शानदार रंगीन चित्र लटके थे, लेकिन सबसे अधिक भीड़, कांच के एक बड़े बॉक्स के आसपास इकट्ठी हुई थी.

मैरी भीड़ को धक्का देते हुए वहां पहुंची.

"देखो!" उसने हांफते हुए कहा "यह तो मैं हूं!"

देगास ने मूर्ति को असली कपड़े पहनाए थे. किसी ने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा था. उसके बालों में पीले रंग का रिबन था.

संग्रहालय में जब आखरी व्यक्ति घर चला गया तब गार्ड ने नर्तकी के जूते से थोड़ी धूल पोंछी. "शुभ रात्रि, मैरी," उसने कहा और फिर गार्ड अपनी सीटी बजाता हुआ दूर चला गया.जैसे ही ताले में चाबी घूमी, वैसे ही नन्ही नर्तकी लगभग मुस्कुराने लगी. संग्रहालय की छत पर बारिश, दुनिया की सबसे प्रसिद्ध नृत्यांगना मैरी के लिए ताली बजाने वाले एक हजार हाथों की तरह लगी.

मैरी दुनिया में सबसे प्रसिद्ध बैलेरीना बनना चाहती थी, लेकिन उसके पास फीस के पैसे नहीं थे. इसलिए उसने कलाकार एडगर डेगास के लिए बैले स्कूल में मॉडलिंग शुरू की.

जैसे ही डेगास की "लिटिल डांसर" की आकृति ने आकार लिया, मैरी को बुरे स्वभाव वाले कलाकार के प्रति सहानुभूति महसूस होने लगी- और जब मूर्तिकला समाप्त हो गई, तो वो सबसे प्रसिद्ध नर्तकी बन गई.

एक महान कलाकार के जीवन का एक उत्कृष्ट परिचय, सुंदर प्रभाववादी चित्रों के साथ.